हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 32 : जौनपुर, गुरुवार 26 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

सभ्य और समर्थ समाज के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना जरूरी : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सभ्य और समर्थ समाज के निर्माण के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षकों को चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र को अपना आदर्श बनाना चाहिए। योगी ने गोरखपुर मंडल के 1,086 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 64 ब्लॉक संसाधन केंद्रों में आईसीटी प्रयोगशाला के लोकार्पण तथा 14,360 शिक्षकों को टैबलेट एवं 1,207 दिव्यांग बच्चों को 1,980 सहायक उपकरणों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, सभ्य समाज के बिना कोई भी राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। इसके लिए वहां की शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना पड़ेगा। व्यक्ति के अंदर आत्मानुशासन की

भावना पैदा होनी चाहिए। उसके अंदर समाज और राष्ट्र से जुड़े मुद्दों को अपना मुद्दा समझने का भाव पैदा होना चाहिए। इन सभी भावनाओं का अगर समावेश कराया जा सकता है, तो उसका माध्यम शिक्षा ही है। शिक्षकों से मुखातिब योगी ने कहा, श्रज्जैसी शिक्षा होगी, वैसा चरित्र होगा। चरित्र के अनुरूप समाज की दिशा तय होगी और राष्ट्र भी उसी दिशा में जाएगा। समर्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का पूरा का पूरा दारोमदार आपके परिश्रम पर टिका है। आप चाहें तो देश को नयी बुलंदियों पर पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा, एक शिक्षक का आदर्श अगर कोई होना चाहिए, तो वह चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र, ऋषि संदीपन और भारद्वाज होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र नहीं होते, तो क्या राम हो पाते? अगर चाणक्य नहीं होते, तो क्या चंद्रगुप्त मौर्य होते? गुरु संदीपन नहीं होते, तो क्या कृष्ण हमें मिल पाते? भारत में ऐसे ढेर सारे उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, अच्छे गुरुओं के मार्गदर्शन में एक बच्चे को समर्थ और सभ्य नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए देखा जा सकता है। अपने कार्यों के मूल्यांकन का तौर–तरीका होना चाहिए। अगर यह नहीं है, तो वह व्यक्ति अपने साथ धोखा कर रहा है। वह समाज और राष्ट्र के साथ भी धोखा कर रहा होगा। योगी ने शिक्षकों से कहा कि आज समाज जिस दिशा में सोच रहा है, अगर हमने उससे दो कदम आगे बढ़कर नहीं सोचा तो हम पिछड़ जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों को सलाह दी, अगर हम खुद को समय के अनुरूप ढालने की प्रवृत्ति अपनाएंगे, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। मासिक, त्रैमासिक, छह मासिक और वार्षिक स्तर पर अपने कार्यों का मूल्याकंन करें। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा, आप सबके सामूहिक प्रयास से बेसिक शिक्षा परिषद में नित नये परिवर्तन आए हैं और समय के अनुरूप खुद को ढालने की सकारात्मक प्रवृत्ति पैदा हुई है। पिछले छह वर्षों के दौरान 1.64 लाख शिक्षकों की भर्ती हुई है। ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत और स्कूल चलो अभियान जैसे कार्यक्रम चलाए गए हैं।

राजस्थान की महिलाओं को सम्मान का पात्र नहीं समझती प्रियंका-राठौड़

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जयपुर के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से प्रत्याशी एवं सांसद तथा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर महिला उत्पीड़न के मामलों में गिद्ध राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह प्रदेश की महिलाओं को सम्मान का पात्र नहीं समझती। श्री राठौड़ ने बुधवार को यहां प्रेसवार्ता के दौरान यह आरोप लगाते हुए झुंझुनूं दौरे पर आई श्रीमती प्रियंका गांधी से जनता की ओर से कई सवाल किए। उन्होंने दुष्कर्म, महिला उत्पीड़न, किसान आत्महत्या, दलित उत्पीड़न, किसानों की जमीन नीलामी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेराजगारी और प्रदेश में व्याप्त कांग्रेस की लूट को लेकर प्रियंका– राहुल पर इन सवालों के जरिये हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संचालन करने वाले मुख्य परिवार की हस्ती प्रियंका वाड्रा आज राजनीतिक पर्यटन डिविजन पर राजस्थान के झुंझुनूं आई हैं। महिला सुरक्षा के अंदर ये लोग गिद्ध

राजनीति करते हैं, राजस्थान के बाहर जब कोई महिला अपराध होता है तब ये लोग जमकर मीडिया में बयान बाजी करते हैं लेकिन जैसे ही राजस्थान का बॉर्डर आता है इनकी जबान पर ताला लग जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं हुई लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने यहां की महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बयान तक दिया। क्या राजस्थान की महिलाएं प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस के लिए सम्मान की पात्र नहीं है। इन लोगों की कथनी और करनी में मोटा फर्क सामने आता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां महिला सुरक्षा संरक्षण और उत्थान की दिशा में काम कर रहे हैं वहीं श्रीमती प्रियंका वाड्रा का लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा राजस्थान में आकर सिमट कर रह जाता है। प्रदेश में करीब दो लाख महिला उत्पीड़न की रजिस्टर्ड घटनाएं दर्ज होने के बावजूद प्रियंका वाड्रा राजस्थान क्यों नहीं आई। प्रदेश में 7700 निर्दोष नागरिकों की हत्या होती है लेकिन कांग्रेस की तरफ से किसी नेता ने संवदेना तक प्रकट क्यों नहीं की। श्री राहुल गांधी पिछले चुनावों में दस दिन में कर्जमाफी का वादा करके गायब हो गए और अब 1700 दिन बीत जाने पर प्रदेश की जनता उनसे सवाल पूंछती है कि कर्जमाफी क्यों नहीं हुई।

चुनावी रिश्वत मामले में केरल भाजपा प्रमुख सुरेंद्रन, अन्य को जमानत

एजेन्सी

कोच्चि। केरल की एक अदालत ने बुधवार को चुनावी रिश्वत के आरोपी राज्य भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और अन्य को जमानत दे दी। मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को तय की गई है। पिछले दो मौकों पर नेताओं के पेश होने में विफल रहने के बाद कासरगोड जिला और सत्र अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। लेकिन बुधवार को सुरेंद्रन और अन्य आरोपी अदालत के समक्ष उपस्थित हुये। अभियोजन पक्ष ने सुरेंद्रन और अन्य की जमानत याचिका का विरोध नहीं किया और अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। सुरेंद्रन के अलावा पांच और स्थानीय भाजपा नेता भी इस मामले में आरोपी हैं। यह मामला सीपीआई (एम) नेता वी.वी. रमेशन द्वारा दायर याचिका पर आधारित है। रमेशन अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र से एलडीएफ उम्मीदवार थे। जब वोटों की गिनती हुई तो सुरेंद्रन

दूसरे स्थान पर रहे जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार 745 वोटों के अंतर से विजयी घोषित किये गये। याचिकाकर्ता ने भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की थी, जिन्होंने चुनाव के दौरान मंजेश्वरम से अपना नामांकन वापस लेने के लिए बसपा उम्मीदवार के. सुंदरा को कथित तौर पर पैसे दिए, मोबाइल फोन दिए और अन्य सुविधाएं देने का वादा किया। सुंदरा ने बाद में आरोप लगाया कि सुरेंद्रन के पक्ष में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए उसे पैसे और मोबाइल दिए गए थे। पुलिस टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है।

मिड डे मील में बच्चों की पसंद और मौसमी सब्जियां हों शामिल : शिक्षा मंत्रालय

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय चाहता है कि देशभर के सभी राज्यों में मिड डे मील ऐसा हो जिसे वहां पढ़ने वाले बच्चे पसंद करें। सभी राज्यों से पीएम पोषण योजना के अंतर्गत स्कूलों में मिलने वाले मिड डे मील में मौसमी सब्जियों को भी शामिल करने को कहा गया है। इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को एक आधिकारिक पत्र भेजा है। शिक्षा मंत्रालय चाहता है कि इन सरकारी स्कूलों में मोटा अनाज, सहजन, पालक, फली वाली सब्जियां से बना भोजन छात्रों को परोसा जाए। इसके साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे पौष्टिक और बच्चों की पसंद का खाना परोसें। खाने में मौसमी सब्जियां शामिल करने और बच्चों की रुचि बनाए रखने के लिए मेन्यू में बदलाव की बात भी रखी गई है। शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से

कहा है कि प्रत्येक तीन महीने में मिड डे मील के मेन्यू में बदलाव करें। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है ताकि बच्चों के खाने में नयापन रहे। केंद्र सरकार ने राज्यों से एक औपचारिक निवेदन में कहा है कि इसके लिए रसोइयों और शिक्षकों को ट्रेनिंग दिलाई जाए। इसके साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने मिड डे मील तैयार करने की पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों को भी साथ रखने की बात कही है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि अभिभावक सुझाव दे सकें और उनके सुझावों पर काम हो सके। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया में डाइटिशियन की भी मदद ली जा सकती है। दरअसल, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को मिली जानकारी के अनुसार विभिन्न राज्यों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में आयरन और विटामिन की कमी रहती है। शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि ऐसी स्थिति में मिड डे मील के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। मंत्रालय के मुताबिक मिड डे मील में मोटा अनाज, सहजन, पालक और फली वाली सब्जियां मिलने यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होंगी। मिड डे मील के भोजन में बदलाव के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को बाकायदा एक आधिकारिक पत्र भी लिखा है। केंद्र सरकार के इस पत्र में कहा गया है कि पीएम पोषण योजना में बच्चों की पसंद, स्थानीय, मौसमी हरी पत्तेदार, फलीदार, सहजन आदि सब्जियां शामिल करें। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस वर्ष हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में मिड डे मील को लेकर यह समीक्षा की गई है। साथ ही इस उच्च स्तरीय बैठक में मिड डे मील के भोजन में पौष्टिकता बढ़ाने, बच्चों में आयरन व विटामिन की कमी को दूर करने पर चर्चा हुई।

परीक्षा में धांधली को लेकर पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों का हंगामा

एजेन्सी

पटना। राजधानी पटना में बीपीएससी कार्यालय के बाहर सैकड़ो की संख्या में पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थियों के द्वारा जमकर हंगामा किया जा रहा है। दरअसल, पिछले दिनों बीपीएससी के द्वारा शिक्षक परीक्षाएं ली गई है। उसमें काफी सारी अनियमिताएं सामने आ रही है, जिसको लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों का गुस्सा चरम पर है। छुट्टी के बाद बीपीएससी कार्यालय के खुलते ही अभ्यर्थियों का पहुंचना लगातार जारी है और अपनी–अपनी समस्याओं को लेकर अभ्यर्थी बीपीएससी कार्यालय पहुंच रहे हैं। अभ्यर्थी शिक्षक बहाली रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप लगा रहे है। हंगामा कर रहे अभ्यर्थियों ने परिणाम में धांधली के सबूत भी मीडिया के सामने रखा। अभ्यर्थी आयोग के अधिकारियों से रिजल्ट में सुधार की मांग के साथ साथ, कट ऑफ अंक जारी नहीं होने से आयोग पर सवाल खड़े कर रहे है।इसी बीच छात्र नेता दिलीप ने कहा कि उनके पास कंप्यूटर साइंस के सैकड़ों अभ्यर्थियों का फोन आया कि रिजल्ट में धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर साइंस के अलावा माध्यमिक में सोशल साइंस में भी काफी गड़बड़ी देखने को मिल रही है। गणित विषय में भी गड़बड़ी हुई है और काफी संख्या में बीएड अभ्यर्थी भी प्राइमरी में क्वालीफाई कर गए हैं और उन्हें ट्रेनिंग सेंटर भेज दिया गया है।

अब कानपुर देहात का नाम बदलने की उठी मांग

एजेन्सी

कानपुर। मर्चेंट चौंबर ऑफ कॉमर्स, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अभिषेक सिंघानिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कानपुर देहात जिले का नाम बदलकर ग्रेटर कानपुर करने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया कि यह बदलाव प्रदेश में शहरी विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। सिंघानिया ने आग्रह किया कि गंगा के तट पर स्थित होने के कारण, कानपुर का अपना समृद्ध और गौरवशाली इतिहास है। कपड़ा और अन्य छोटे एवं मध्यम उद्योगों के कारण लंबे समय से इसे शूर्व का मैनचेस्टरश कहा जाता है।

सिंघानिया ने कहा, इतिहास गवाह है कि शहर ने खुद को नए मानकों के अनुसार ढाला और तदनुसार इसका

नाम कान्हापुर से कानपुर हो गया। शहर की स्थापना 1803 में हुई थी और 1891 में इसे दो जिलों कानपुर शहर और कानपुर देहात में विभाजित किया गया था। वर्तमान में, कानपुर देहात राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 14 और 27 से जुड़ा हुआ है। देश का सबसे व्यस्त दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग भी जिले से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि जिला बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे से भी लाभांवित हुआ है। रनिया, जैनपुर, डेरापुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र विकास के केंद्र और संसाधन थे। इसलिए देहात नाम इसके साथ न्याय नहीं करता है। दरअसल, यह पिछड़ेपन की छवि पेश करता है। सिंघानिया ने दावा किया कि ग्रेटर शब्द आधुनिकता और बेहतर बुनियादी ढांचे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने से उस क्षेत्र की प्रतिष्ठा और पहचान बढ़ सकती है और साथ ही स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिल सकता है।

आर्थिक माहौल को लेकर रिजर्व बैंक के बुलेटिन पर कांग्रेस ने जताई चिंता

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि आर्थिक हालात को लेकर रिजर्व बैंक का अक्टूबर माह का बुलेटिन जिस आर्थिक माहौल को इंगित करता है वह बेहद चिंताजनक है और स्पष्ट करता है कि मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था का लगातार कुप्रबंधन किया है। कांग्रेस संचार विभाग की प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को एक बयान में कहा कि बैंक के सितंबर के बुलेटिन में कई नकारात्मक संकेत सामने आए थे। इन संकेतों में घरेलू बचत का 47 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचना, निजी क्षेत्र के लिए घरेलू ऋण में स्थिरता और श्रम–बल भागीदारी का एक ही तरह से बने रहना जैसे कई संकेत शामिल थे। बैंक के अक्टूबर के बुलेटिन देश के आर्थिक हालात के ये संकेत पहले जैसे बने हुए हैं या और भी ज़्यादा बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा,"शुद्ध घरेलू बचत में कमी आने का एक प्रमुख कारण घरेलू देनदारियों में भारी बढ़ोतरी होना है। वित्त मंत्रालय ने गुमराह करने के लिए दावा किया था कि यह बढ़ोतरी गृह और वाहन ऋण के कारण है जबकि रिजर्व बैंक ने सितंबर बुलेटिन में कहा था कि गोल्ड लोन में 23 प्रतिशत और पर्सनल लोन में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। रिजर्व बैंक का अक्टूबर का बुलेटिन इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले अगस्त में बैंक से लिए गए कुल ऋण में सबसे ज़्यादा पर्सनल ऋण था और इसमें 23 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई थी जबकि गोल्ड लोन में 22 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हुई है। विगत 15 माह से गैर–आवासीय पर्सनल लोन 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहे हैं।

महिला उम्मीदवारों की होड़ में कांग्रेस ने भाजपा को पीछे छोड़ा

एजेन्सी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के लिए महिला उम्मीदवारों के चयन को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 15 प्रत्याशियों की तुलना में अपने 18 उम्मीदवार घोषित कर भाजपा को पीछे छोड़ दिया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों के लिए होने वाले चुनावों में कांग्रेस ने 18 महिलाओं को टिकट दी है जबकि भाजपा ने 15 महिला उम्मीदवार बनाये हैं। इनमें चार सीटों पर दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टी की महिला प्रत्याशियों के बीच सीधी भिड़ंत की स्थिति है। कांग्रेस की ओर से घोषित महिला उम्मीदवारों में बैकुंठपुर से अंबिका सिंहदेव, प्रतापपुर(सु) से राजकुमारी मरावी , लैलुंगा(सु) से विद्यावती सिदार, सारंगढ़ से उत्तरी जांगड़े, पाली–तानाखार(सु) से तुलेश्वरी सिदार , तखतपुर से रश्मि आशीष सिंह, पामगढ़(सु) से शेषराज बर्मन, सरायपाली(सु) से चातुरी नंद, महासमुंद से रश्मि चंद्राकर, बिलाईगढ़(सु) से कविता लहरे, धरसींवा से छाया वर्मा , सिहावा(सु) से अंबिका मरकाम , कुरूद से तारणी चंद्राकर , संजारी बालोद से संगीता सिन्हा, डोंडीलोहारा(सु) से अनिला भेड़िया, खैरागढ़ से यशोदा वर्मा, डोंगरगढ़(सु) से हर्षिता स्वामी बघेल और भानुप्रतापपुर(सु) से सावित्री मंडावी शामिल हैं। राज्य में मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने भरतपुर सोनहत(सु) से रेणुका सिंह, भटगांव से लक्ष्मी रजवाड़े , प्रतापपुर(सु) से शकुंतला सिंह , सामरी(सु) से उद्देश्वरी पैकरा , जशपुर (सु) से रायमुनि भगत, पत्थलगांव(सु) से गोमती साय , लैलुंगा(सु) से सुनीति सत्यानंद राठिया, सारंगढ़ (सु) से शिवकुमारी चौहान , चंद्रपुर से संयोगिता सिंह जूदेव , सरायपाली(सु) से सरला कोसरिया, खल्लारी से अलका चंद्राकर, धमतरी से रंजना साहू, पंडरिया से भावना वोहरा, खुज्जी से गीता साहू और कोंडागांव से लता उसेंडी को अपना उम्मीदवार बनाया है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि प्रतापपुर, लैलुंगा, सारंगढ़ और सरायपाली चारों सुरक्षित सीटों पर कांग्रेस तथा भाजपा की महिला उम्मीदवार आमने–सामने हैं।

कन्या पुजन के नाम पर दो बच्चियों का अपहरण...गिरोह में दिल्ली की एक डॉक्टर भी

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में दो बच्चियों को किडनैप करने वाले गिरोह के बारे में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस ने अपनी तेज छानबीन से 48 घंटे के अंदर गैंग को पकड़ कर सलाखों के पीछे बंद कर दिया है। छानबीन में पता लगा कि इस गुनाह को अंजाम देने के लिए अरोपी मर्सिडीज कार का उपयोग करते थे, ताकि किसी को भी उन पर शक ना हो। इस गैंग में एक महिला डॉक्टर है जो पेशे से एक फिजियोथेरेपिस्ट है, वो भी इसमें शामिल थी। किडनैपिंग के बाद दोनों बच्चों को इसी डॉक्टर के पास ही बेचा जाना था।

दरअसल, नवमी के दिन कर्फ्यू माता मंदिर से कन्या पुजन के लिए बुलाई दो बच्चियों को अगवा कर लिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए शहर के 200 से ज्यादा सीसीटीवी की फुटेज की मदद से आरोपियों को 48 घंटे में पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कोलार में सथित एक इंग्लिश विला कॉलोनी में पिछले 6–7 महीने से किराए के घर में रह रहे थे। पुलिस ने यह भी बताया कि इसी घर की वजह से गैंग के पांच सदस्य पकड़े गए।

चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन होंगे अभिनेता राज कुमार राव

एजेन्सी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राज कुमार राव आगामी चुनावों में एक प्रमुख चेहरा होंगे। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा कि वह आगामी चुनावों के लिए अभिनेता राज कुमार राव को अपना राष्ट्रीय आइकन नियुक्त करेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि एक औपचारिक समारोह गुरुवार को होगा। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय आइकन की नियुक्ति करता है। 3 सितंबर को भारतीय चुनाव आयोग ने महान क्रिकेटर और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को अपना राष्ट्रीय आइकन नियुक्त किया था।

सम्पादकीय

फिर जहरीली हवा

हर साल की तरह सर्दी के मौसम की दस्तक के साथ ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को फिर घातक प्रदूषण की चादर ने अपनी चपेट में ले लिया है। फिर से वायु गुणवत्ता का अत्यंत खराब श्रेणी में आना नागरिकों की चिंता बढ़ाने वाला है। एक्यूआई का तीन सौ पार करना इसका ज्वलंत उदाहरण है जो बताता है कि गाल बजाती राजनीति इस संकट के मूल का उपचार करने में सक्षम नहीं है। ऐसी स्थितियां हर साल आती हैं कभी ठीकरा पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के सिर फोड़ दिया जाता है। कभी दिवाली के पटाखों को जिम्मेदार कह दिया जाता है। लेकिन हमारी जीवनशैली की खामियों पर चर्चा नहीं होती। दरअसल, हर साल इन दिनों तापमान में गिरावट आने व हवा की रफ्तार कम होने से प्रदूषकों को जमा होने का मौका मिल जाता है। दरअसल, मूल बात यह है कि बेहद तेजी से हुए बहुमंजिला इमारतों के निर्माण से हवा के मूल प्रवाह मार्ग में अवरोध ा पैदा हो गया है। यह प्रदूषण सिर्फ पराली का नहीं है। बदले लाइफ स्टाइल के चलते हर घर में कई–कई कारें रखने से भी प्रदूषण में इजाफा हुआ है। हमारे नीति–नियंताओं का सबसे बड़े दोष यह है कि वे सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को इतना सहज–सरल ढंग से उपलब्ध ा नहीं करा पाये कि लोग कार सड़कों पर उतारने के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। फिर नीति–नियंता उस सनातन मानसिकता से ग्रसित हैं जो आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से युक्त होती है। हर बार जब संकट सिर पर आ जाता है और सुप्रीम कोर्ट लगातार फटकार लगाता है कि दिल्ली गैस चौंबर में तब्दील हो गया, तब दिल्ली सरकार सक्रियता दिखाती है। दरअसल, जो कार्रवाई होती भी है वह प्रतीकात्मक होती है। मीडिया के जरिये ये दिखाने का प्रयास होता है कि सरकार भाग–दौड़ कर समस्या का समाधान करने को तत्पर है। लेकिन जैसे ही बारिश होने या हवा के रुख में बदलाव से स्थिति में सुधार होता है, सरकार भी शिथिल हो जाती है। दरअसल, दिल्ली के प्रदूषण संकट को समग्र रूप से संबोधित करने की जरूरत है। उन तमाम कारणों पर विचार करने की जरूरत है जो इस संकट के मूल में हैं। ये कारण हमारे निर्माण कार्य में लापरवाही, सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक जाम, अनियोजित विकास और लगातार बढ़ते जनसंख्या घनत्व में तलाशे जाने चाहिए। सवाल यह है कि सभी सरकारी विभाग समग्र रूप से इस संकट के समाधान के लिये क्यों आगे नहीं आते? सभी राजनीतिक दल देश की प्रतिष्ठा व लोगों का जीवन बचाने में आगे क्यों नहीं दिखते? क्यों कई एक्सप्रेस वे बनने और बाहरी राज्यों के वाहनों को दिल्ली से बाहर से निकलने की योजना के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं? वहीं केंद्र सरकार व राज्य सरकार क्यों विचार नहीं करते कि पराली संकट को दूर करने के लिये जो उपाय किये गए हैं, वे जमीनी हकीकत में कितने खरे उतरे हैं? पराली संकट के समाध ान के लिये जो उपाय किये गये हैं, वे क्या किसानों की सुविधा के अनुरूप हैं? क्या इसके लिये फसल चक्र में बदलाव की जरूरत है ताकि खरीफ फसल तैयार होने व रबी की फसल की तैयारी के लिये किसान को पर्याप्त समय मिल सके और किसान पराली जलाने के विकल्प को त्याग सकें। अब चाहे पराली के निस्तारण में सहायक मशीन की व्यावहारिकता का प्रश्न हो या धान के अवशेष को खेत में खत्म करने वाले रसायन के उपयोग का मामला, उसके सभी पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार वायु प्रदूषण से मरने वाले लाखों लोगों के आंकड़े जारी करता रहता है लेकिन हमारे नीति–नियंता इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। यह प्रदूषण उन लोगों के लिये तो बहुत ही घातक है जो सांस व अन्य गंभीर रोगों से ग्रसित हैं। सरकारों को सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 के संकट के समाधान के लिये निर्णायक अभियान चलाना होगा।

कर्नाटक : हिजाब बैन हटाना सराहनीय

कर्नाटक की पिछली सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं तथा परीक्षाओं में हिजाब पर लगाया प्रतिबंध मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हटा दिया है। चुनने की आजादी का हवाला देते हुए इस आशय के जारी आदेश के तहत बैन को हटाये जाने का हिन्दू संगठनों ने विरोध किया है जो कि अपेक्षित था। मुमकिन है कि यह विरोध और भी बढ़े परन्तु यह कदम सराहनीय है। वैसे बेहतर तो यहीं होगा कि इस बाबत सारे विवादों को दरकिनार कर हिजाब चुनने की आजादी का स्वागत किया जाये। उल्लेखनीय है कि 2021 में भारतीय जनता पार्टी सरकार की पिछली सरकार ने कर्नाटक के स्कूल–कॉलेजों और हर तरह की परीक्षाओं में हिजाब लगाने पर प्रतिबंध ा लगा दिया था। पहले से हिन्दूवादी संगठन इसकी मांग कर रहे थे। कुछ मुस्लिम संगठन इसके विरोध में कर्नाटक हाईकोर्ट गये थे। वहां उनकी मांग न माने जाने के कारण उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह कहकर मांग को खारिज कर दिया था कि हिजाब इस्लामी संस्कृति का हिस्सा नहीं है। वहां के अल्पसंख्यक समुदाय को इससे घोर निराशा तो हुई थी, बड़ी संख्या में लड़कियों ने स्कूल–कॉलेज जाना तक छोड़ दिया था। विभिन्न परीक्षाओं में भी उनकी तादाद में गिरावट आई थी जो चिंता का विषय था। इसका प्रारम्भ उडुपी जिले के एक शासकीय कॉलेज से

हुआ था जहां 1 जुलाई, 2021 को यूनिफॉर्म लागू कर दिया था। अल्पसंख्यक लड़कियों ने इसे मानने से इंकार कर दिया था। भाजपा सरकार द्वारा हिजाब से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने के नाम पर यह प्रतिबन्ध लगाया गया था परन्तु इसका असली उद्देश्य सामाजिक ध्रुवीकरण करना था। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के वोट प्रतिशत तो ज्यादा थे लेकिन सीटें कांग्रेस के 80 के मुकाबले भाजपा को ज्यादा मिलीं–103। येदियुरप्पा सीएम बने पर बहुमत साबित न कर पाने से 6 दिनों में उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। इसके बाद कांग्रेस व जेडीएस ने मिलकर सरकार बनाई जिन्होंने मिलकर चुनाव लड़ा था। एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने परन्तु भाजपा ने कथित तौर पर ऑपरेशन लोटस के तहत 13 माह पुरानी सरकार गिरा दी। येदियुरप्पा फिर से सीएम बने लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे येदियुरप्पा को त्यागपत्र देना पड़ा और बसवराज बोम्मई जुलाई, 2021 में सीएम बने जिनके कार्यकाल में हिजाब पर बैन लगाया गया। जिन राज्यों में हिन्दुत्व की प्रयोगशालाएं सर्वाधिक सक्रिय रही हैं, उनमें कर्नाटक प्रमुख है। यहां 2019 के लोकसभा चुनाव में इसलिए भाजपा को अच्छी सफलता मिली थी। 28 में से 25 सीटें उसने जीती थीं।

कर्नाटक को भाजपा पूरे दक्षिण भारत में अपनी विचारधारा के प्रसार के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण मानती है। इसलिये यहां हिंदुत्ववादी एजेंडे को जोर–शोर से लागू किया गया था। इस साल के मध्य में हुए विध ानसभा चुनावों में भाजपा को बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा। उस वक्त भी भाजपा कांग्रेस को अपने एजेंडे पर लाने की कोशिश करती रही परन्तु कांग्रेस ने वहां भ्रष्टाचार व विकास को मुद्दा बनाया और साम्प्रदायिक सद्भाव का आश्वासन दिया। हालांकि वहां चुनावी घोषणापत्र में जब कांग्रेस ने सत्ता मिलने पर बजरंग दल पर प्रतिबन्ध लगाने का वादा किया तो इसे भुनाने की भरपूर कोशिश भाजपा ने की थी। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करते हुए लोगों को भरमाने का प्रयास किया था। चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए उन्होंने सभा में जय बजरंगबली के नारे लगवाए थे और एक तरह से उनके नाम पर वोट मांगे थे। कांग्रेस को इसी मुद्दे पर घेरने के चक्कर में प्रदेश भर में जगह–जगह हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया था। भाजपा एवं हिंदूवादी संगठनों के ये सारे पैंतरे नाकाम रहे और कांग्रेस जबर्दस्त बहुमत से जीती थी। कांग्रेस ने तब भी वादा किया था कि अगर उनकी सरकार बनती है तो वे हिजाब पर लगे प्रतिबंध को हटाएंगे। कह सकते हैं कि इस घोषणा से कर्नाटक सरकार ने अपने बड़े वादे को पूरा किया है। इस ऐलान को केवल इस नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिये कि इससे एक वादा पूरा हुआ है। यह नागरिकों के जीवन शैली को चुनने की आजादी देना है। पुरानी सरकार ने इस पर कट्टरपंथी ताकतों के दबाव में आकर प्रतिबंध लगाया था और उसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को हिजाब से कथित तौर पर आजादी दिलाना था परन्तु वह एक बहुसंख्यकवादी निर्णय था जिसे यह संदेश देने के लिये लादा गया था कि अल्पसंख्यकों को उसी तरह से रहना, खाना–पीना, ओढ़ना–बिछाना होगा जैसा कि बहुसंख्यक समुदाय तय करेगा। यह निर्णय लगभग वैसा ही था जैसा तीन तलाक को गैरकानूनी बनाना या जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना। इसका लक्ष्य कोई सदाशयता या जनहित न होकर एक वर्ग विशेष को आहत, अपमानित कर ध्रुवीकरण करना था। कांग्रेस सरकार द्वारा ऐसा निर्णय लेने का अर्थ यह नहीं है कि तमाम हिंदूवादी संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी चुप रहने वाली है।

निश्चित ही इसे अगले चुनावों का मुद्दा बनाया जायेगा। प्रतिबंध हटाने को लेकर अभी से इन संगठनों ने हाय–तौबा मचानी शुरू कर दी है। कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये यदि भाजपा इसे 2024 के लोकसभा चुनाव का एक मुद्दा बना लेती है। अपने खिलाफ देश भर में बनते माहौल में भाजपा को उन्हीं मुद्दों की जरूरत है जिनके बल पर वह लोकसभा चुनाव जीत सके। ठोस मुद्दों पर तो भाजपा के पास कहने के लिये कुछ है नहीं और न ही बताने के लिये उसके पास कोई उपलब्धियां ही हैं। देखना होगा कि कर्नाटक सरकार के इस निर्णय की क्या प्रतिक्रिया होती है।

गाजा युद्ध में फंसी मानवीयता

पश्चिम एशिया के फिलिस्तीन व इजराइल के बीच गाजा क्षेत्र में जो युद्ध चल रहा है वह अब मानवता के संकट के रूप में विकसित होता जा रहा है परन्तु इसे लेकर जिस प्रकार पश्चिमी देश ठंडी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं उससे इस क्षेत्र की समस्या के वीभत्स होने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। पिछले 18 दिनों से गाजा में सक्रिय हमास संगठन व इजराइली फौजों के बीच जंग हो रही है जिसमें गाजा क्षेत्र में ही पांच हजार नागरिक हताहत हो चुके हैं मगर सबसे दुखद यह है कि इनमें दो हजार से अधिक बच्चे हैं और 1100 से अधिक महिलाएं हैं। दूसरी तरफ इजराइल पर विगत 7 अक्तूबर को हमास के लड़ाकुओं ने जो हमला किया था उसमें 1400 नागरिक हलाक हुए थे। हमास ने दो सौ से अधिक नागरिकों को बन्ध ाक भी बना लिया था। इन्हीं बन्धकों को छुड़ाने व अपने ऊपर हुए हमले का बदला लेने के लिए इजराइल जवाबी कार्रवाई कर रहा है और उसने घोषित रूप से पूरा युद्ध छेड़ दिया है।

बेशक हमास ने अचानक इजराइल पर हमला करके आतंकवादी कार्रवाई ही की और नागरिकों को बन्धक बना कर उसे सिद्ध भी कर दिया कि वह गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों की समस्या को आतंकवाद से हल करना चाहता है जिसे कोई भी स्वीकार नहीं कर सकता। लेकिन इसके साथ यह भी देखना होगा कि इजराइल गाजा में रहने वाले लोगों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करता रहा है। इस सत्य को भी कोई नकार नहीं सकता है कि 1948 में ही इजराइल की स्थापना अरब की फिलिस्तीनी धरती पर ही हुई जिसे उसी समय दुनिया के शक्तिशाली देशों ने अरब देशों की मुखालफत के बावजूद मान्यता प्रदान कर दी। परन्तु इसके समानान्तर संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के बावजूद अभी तक फिलिस्तीनी धरती पर ही स्वतन्त्र व संप्रभु फिलिस्तीन का गठन नहीं हो सका। समस्या की असली जड़ यही है जिसकी वजह से पिछले 76 सालों से पश्चिम एशिया की इस धरती पर रह–रह कर युद्ध होता रहता है। भारत का इस मामले में रुख बहुत स्पष्ट है और वह यह है कि यह एक स्वतन्त्र व संप्रभु फिलिस्तीन के हक में है और इजराइल को भी मान्यता देता है। लेकिन भारत आतंकवादी रास्ते से किसी भी समस्या के हल के पक्ष में कभी नहीं रहा है और किसी भी विवाद का हल शान्तिपूर्ण तरीके से बातचीत किये जाने के पक्ष में ही रहा है। गाजा के साथ मिस्र की सीमाएं लगती हैं और इस देश के राष्ट्रपति श्री अल सिसि ने पिछले दिनों गाजा समस्या पर ही शान्ति सम्मेलन बुलाया था जिसमें पश्चिम के देशों ने रुची नहीं दिखाई और जिन्होंने दिखाई भी उन्होंने नामचारे की औपचारिकता ही निभाई। परन्तु सम्मेलन के बाद फिलिस्तीन के पड़ोसी देश जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला ने बेहिचक होकर कहा कि गाजा में इजराइल 'युद्ध अपराध' कर रहा है। जॉर्डन के शाह से प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर बात की और परिस्थितियों पर चिन्ता जताई। बेशक श्री मोदी ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के मत को स्पष्ट किया परन्तु मानवीय समस्या पर भी बराबर की चिन्ता जताई। इजराइल ने पूरे गाजा क्षेत्र की पानी– बिजली, खाद्य व ईंध ान सप्लाई काट रखी है और विदेशों से मिलने वाली सहायता का रास्ता भी आंशिक रूप से दो दिन पहले ही खोला है। इस बीच हमास ने दो बन्ध

ाक छोड़े और ताजा खबर के अनुसार वह दोहरी नागरिकता वाले 50 और बन्धकों को छोड़ने के लिए तैयार है बशर्ते इजराइल गाजा की ईंधन सप्लाई शुरू कर दे। इजराइल ने यह शर्त मानने से इन्कार कर दिया है। इससे स्थिति जस की तस हो गई है। मूल सवाल यह है कि क्या आतंकवादियों के कृत्य के लिए बेगुनाह नागरिकों को सजा दी सकती है? दुनिया का कोई भी सभ्य देश इसकी वजाहत नहीं कर सकता। जब भी किसी मुल्क में बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाया जाता है तो राष्ट्रसंघ के अभी तक के इतिहास में आधुनिक माने जाने वाले देशों द्वारा उसका विरोध किया गया है। युद्धोन्माद से कभी भी दुनिया के किसी कोने में आज तक कोई हल नहीं निकला है। हल हमेशा बातचीत की मेज पर बैठ कर ही निकला है। इसलिए दुनिया के शक्तिशाली देशों को सर्वप्रथम अपने स्वार्थों को दरकिनार करते हुए गाजा में कराहती मानवता की चिन्ता करनी चाहिए और निरीह नागरिकों को इसकी भेंट चढ़ने से बचाना चाहिए। हमास के कब्जे में पड़े हुए इजराइली नागरिक भी बेगुनाह हैं जिन्हें हमास ने निशाना बना रखा है। उनकी जान की सुरक्षा की चिन्ता करते हुए हमास को करारा सबक सिखाये जाने की जरूरत है। इस घटनाक्रम के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति श्री मैक्रों आज इजराइल की राजधानी तेल अवीव पहुंचे हैं। फ्रांस मानवीय अधिकारों का अलम्बरादर देश माना जाता है बल्कि हकीकत तो यह है कि पूरी दुनिया में मानव अधिकारों की गूंज 18वीं शताब्दी में फ्रांस की क्रान्ति के बाद ही हुई।

खबरें बता रही हैं कि श्री मैक्रों इजराइल के आत्म सुरक्षा के अधि ाकार के साथ ही बन्धकों की रिहाई की तजवीजों पर बातचीत करने के साथ ही फिलिस्तीन राज्य की स्थापना के बारे में भी बातचीत करेंगे। फ्रांस के विभिन्न अरब देशों के साथ भी बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध उसी तरह से रहे हैं जिस तरह भारत के हैं। अतः युद्ध को विसर्जित करने के तरीकों के बारे में यदि अमेरिका कोई ठोस कदम उठाने से हिचक रहा है तो फ्रांस की पहल पर भारत में भी इसमें मददगार हो सकता है। फिलिस्तीनी समस्या का हल बन्द सोच से बाहर (आऊट आफ बाक्स) आता है तो दुनिया के लिए यह एक सौगात होगी।

सीजेआई और संविधान

आदित्य नारायण

संविधान मूल रूप से किसी भी देश का सर्वोच्च ग्रंथ होता है। यह वो किताब है जिस पर देश की संवैध ानिक संरचना टिकी होती है। यह वो किताब भी है जिसमें देश की सामाजिक, राजनीतिक और न्यायिक व्यवस्था का निर्देशन करने के लिए नियम लिखे होते हैं। संविधान ही बताता है कि समाज को चलाने का आधार क्या हो? देश के हर नागरिक के अधिकार कैसे सुरक्षित हों? किसी व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो और सब को समान रूप से आगे बढ़ने का मौका मिले। बाबा साहेब अम्बेडकर ने हमें अधिकारों को लेकर सजग ही नहीं किया बल्कि अधि ाकारों के लिए जूझना भी सिखाया। उन्होंने एक बार यह भी कहा था कि हमने भगवान के रहने के लिए एक मंदिर बनाया पर भगवान को वहां स्थापित करने से पहले अगर वहां एक राक्षस आकर रहने लगे तो उस मंदिर को तोड़ देने के अलावा चारा ही क्या है? हमने इसे असुरों के रहने के लिए तो नहीं बनाया था। हमने इसे देवताओं के लिए बनाया था। उनके कहने का अभिप्राय यह था कि अगर संविधान सही ढंग से लागू ही नहीं किया जाए तो फिर उस संविधान का फायदा ही क्या है? भारतीय संविधान दुनिया में सबसे लम्बा और सबसे विशाल संविधान है लेकिन यह अन्य देशों की तरह न तो कठोर है और न ही अधिक लचीला। इसमें अब तक कई संशोधन किए जा चुके हैं। हमारे संविधान की मूल संरचना या दर्शन संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, शक्तियों के बंटवारे, न्यायिक समीक्षा, धर्म निरपेक्षता, संघवाद, स्वतंत्रता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता पर आधारित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने अमेरिका में आयोजित बाबा साहेब की अधूरी विरासत के मुद्दे पर छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भीमराव अम्बेडकर के संविध ानवाद की जमकर तारीफ की। सीजेआई चन्द्रचूड़ को हार्वर्ड लॉ स्कूल के सैंटर ऑन लीगल प्रोफैशन द्वारा वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने बाबा साहेब को कोट करते हुए कहा कि संविधान कितना भी खराब क्यों न हो लेकिन अगर इसे लागू करने वाले या कामकाज से जुड़े लोग अच्छे होंगे तो यह अच्छा साबित हो सकता है। संविध ान कितना भी अच्छा क्यों न हो अगर उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं हैं तो वह खराब ही साबित होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि गहरी जड़ें जमा चुकी वर्ण व्यवस्था को खत्म करके भारतीय समाज को बदलने और हाशिये पर पड़े समूहों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में भारतीय संविधान ने अहम भूमिका निभाई है। अम्बेडकर की विरासत आधुनिक भारत के संवैध ानिक मूल्यों को आकार दे रही है। सामाजिक सुधार और सभी के लिए न्याय की खोज के लिए एक लाइट हाऊस के तौर पर भी काम कर रही है।

सीजेआई ने समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर अमेरिका की जमीन पर खड़े होकर खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि समलैंगिक की शादियों को मान्यता न देने का मेरा फैसला मेरा अपना फैसला है। कई बार वोट विवेक और कई बार वोट संविधान से होता है। हमारा मानना था कि शादी में समानता के लिए कानूनों से छेड़छाड़ करने के घलिए संसद के दायरे में जाना होगा। शादी के अधिकार का कानून बनाने का फैसला संसद के दायरे में आता है। संविधान पर अमल केवल संविध ान के स्वरूप पर निर्भर नहीं करता। संविधान केवल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे राज्य के अंगों का प्रावधान कर सकता है। संविधान की आत्मा को जीवित रखने के घ्लिए राजनीतिक दलों की भी अहम भूमिका है लेकिन आज हम देख रहे हैं कि अन्तर्विरोध ा बहुत बढ़ चुके हैं। परस्पर विरोध ी विचारधाराएं रखने वाले राजनीतिक दल आमने–सामने हैं। कई राजनीतिक दल जातिवाद की राजनीति करते हैं। जातियों और सम्प्रदायों को लेकर आज भी टकराव है। नागरिकों को भले ही राजनीतिक समता का उद्देश्य तो प्राप्त हो चुका है लेकिन आर्थिक और सामाजिक समता का अभाव साफ नजर आ रहा है।

समता न्याय और बंधुता जैसे मूल्यों से निर्ममतापूर्वक खेल किए जा रहे हैं। सभी राजनीतिक दल जातीय ध्रुवीकरण को मजबूत करने और विषमता बढ़ाने में लगे हुए हैं। संविध ान कहता है कि सारे भारतवासी देश को अपने पंथ से ऊपर रखें, न कि पंथ को देश से ऊपर। लेकिन ऐसा होने को लेकर वे आश्वस्त नहीं थे, इसलिए अपने आप को यह कहने से रोक नहीं पाये थे।

यदि राजनीतिक दल अपने पंथ को देश से ऊपर रखेंगे तो हमारी स्वतंत्रता एक बार फिर खतरे में पड़ जायेगी और संभवतया हमेशा के लिए खत्म हो जाये। हम सभी को इस संभाव्य घटना का दृढ़ निश्चय के साथ प्रतिकार करना चाहिए।

हमें अपनी आजादी की खून के आखिरी कतरे के साथ रक्षा करने का संकल्प करना चाहिए। बाबा साहेब की भारतीयता की अवधारणा स्वीकार कर ली गई होती तो आज अप्रिय घटनाएं देखने को नहीं मिलती। वे चाहते थे कि लोग पहले भारतीय हों और अंत तक भारतीय रहें और भारतीय के अलावा कुछ न हों।

कपड़े फाड़ जैसे जुमले क्यों उछल रहे हैं चुनाव में

कमलनाथ ने कहा ' मैंने कहा था कि बात न मानें तो उनके श्कपडेध फाडिए।श जवाब में दिग्विजय बोले 'भैया, ए फार्म पर किसके दस्तखत होते हैं, पीसीसी चीफ के. तो कपडेध किसके फटने चाहिए। नहले पर दहला मारते हुए कमलनाथ बोले 'मैंने बहुत पहले इन्हें पॉवर ऑफ अटॉर्नी दी थी कि कमलनाथ के लिए आप गालियां खाइए, ये आज भी वैलिड है।' दिग्विजय का जवाब, 'लेकिन गलती कौन कर रहा है ये भी पता होना चाहिए। कमलनाथ 'गलती हो या न हो, गाली खानी है।' दिग्विजय समर्पण अंदाज में बोले 'अब शंकरजी का काम यही है विष पीने का तो पिएंगे।' कमलनाथ ने यह कहकर बात खत्म की 'इन्होंने बहुत कड़वे घूंट पिए हैं, मेरे लिए, आगे भी पीने पडेंगे।' इससे पहले कमलनाथ सिंह ने ये भी कहा 'मेरा और दिग्विजय का संबंध राजनीतिक नहीं है, हंसी–मजाक का है, प्यार का है। मेरा संबंध इनसे बहुत पुराना है, पारिवारिक है।' कुछ समय पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला भी कमलनाथ–दिग्विजय की जोड़ी को 'जय–वीरू' की जोड़ी बता चुके हैं। कमलनाथ–दिग्विजय के बीच भले ही तल्खी न हो, लेकिन विपक्ष ने जुमले को लपकने में देर नहीं की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह लगातार इस मुद्दे पर तंज कसते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा 'ये कांग्रेस का असली चेहरा है, एक पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री के लिए कह रहा है दृ जाओ उनके कपडेध फाड़ो, उनके बेटे के कपडेध फाड़ो, यही कांग्रेस का असली स्वरूप है।' बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिग्विजय के तो नहीं, अपने खुद के कपडे जरूर फाड़ डाले, दिग्विजय के पुतले जलाए। कमलनाथ के बंगले पर पंगत की। इस पर कांग्रेसी भले ही ये बोलें कि 'टिकट पाने के लिए नेताओं की ये आपाधापी उनका ये मूड और हुजूम बता रहा है कि अगली सरकार कांग्रेस की बन रही है।श लेकिन शिवराज ने कपडेध फाड़ने और पुतले जलाने पर अपने अंदाज में तंज कसा, बोले 'एक दिल के टुकडे हुए हजार कुछ इध ार गिरे कुछ उधर गिरे।' इससे पहले कमलनाथ–दिग्विजय की रोचक गुफ्तगू पर टिप्पणी करते हुए शिवराज ने कहा कि 'ऐसे काम करते ही क्यों हो कि गाली खाना पडे।' कांग्रेस के हर बयान और घटनाक्रम पर ज्योतिरादित्य सिंधिया जरूर व्यंग्य कसते हैं। सो कपड़ा फाड़ बयान पर भी वो कहां चुप रहने वाले थे, बोले 'मेरी कांग्रेसियों की सोच नहीं, जो पकड़–पकड़ कर फाडेध।

शकील खान

मध्य प्रदेश में चुनाव सिर पर हैं, चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर है और उधर नेता से लेकर कार्यकर्ता ष्कपड़े फाड़नेष् में लगे हुए हैं। इस कपड़ा फाड़ चुनाव में कोई किसी और के कपडे फाड रहा है, या फाड़ने को कह रहा है, तो कोई अपने ही कपड़े फाड़ रहा है। दरअसल, इस 'कपड़ा फाड़' जुमले को ईजाद करने का काम मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस के घोषित मुख्यमंत्री प्रत्याशी कमलनाथ ने किया। हुआ यूं कि 15 अक्टूबर को टिकट की पहली सूची जारी होने के तत्काल बाद टिकट से वंचित कुछ असंतुष्ट कांग्रेसियों ने कमलनाथ को घेर लिया और कोलारस के विध ायक वीरेन्द्र रघुवंशी के टिकट को लेकर एंग्री यंगमेन की तरह कमलनाथ से सवाल करने लगे। जवाब में कमलनाथ बोले 'आप यहां गदर मत कीजिए। दिग्विजय और जयवर्धन (दिग्विजय के विध ायक पुत्र) के पास जाइए और उनके कपडे फाडिए। और हां, ये मत कहिएगा कि मैंने कहा था।' बाद में इस दिलचस्प जुमले को कमलनाथ ने बाकायदा दिग्विजय सिंह के सामने दोहराया भी। दिग्विजय ने अपने अंदाज में जवाब भी दिया। ये अलग बात है कि दोनों का ही अंदाज (दोनों बार) तल्ख नहीं था बल्कि हास–परिहास के मूड में सार्वजनिक रूप से पत्रकारों के सामने यह गुफ्तगू हुई। इस बार अवसर था कांग्रेस के घोषणा पत्र जारी होने का। कमलनाथ ने कहा ' मैंने कहा था कि बात न मानें तो उनके श्कपडेध फाडिए।श जवाब में दिग्विजय बोले 'भैया, ए फार्म पर किसके दस्तखत होते हैं, पीसीसी चीफ के. तो कपडेध किसके फटने चाहिए। नहले पर दहला मारते हुए कमलनाथ बोले 'मैंने बहुत पहले इन्हें पॉवर ऑफ अटॉर्नी दी थी कि कमलनाथ के लिए आप गालियां खाइए, ये आज भी वैलिड है।' दिग्विजय का जवाब, 'लेकिन गलती कौन कर रहा है ये भी पता होना चाहिए। कमलनाथ 'गलती हो या न हो, गाली खानी है।' दिग्विजय समर्पण अंदाज में बोले 'अब शंकरजी का काम यही है विष पीने का तो पिएंगे।' कमलनाथ ने यह कहकर बात खत्म की 'इन्होंने बहुत कड़वे घूंट पिए हैं, मेरे लिए, आगे भी पीने पडेंगे।' इससे पहले कमलनाथ सिंह ने ये भी कहा 'मेरा और दिग्विजय का संबंध राजनीतिक नहीं है, हंसी–मजाक का है, प्यार का है। मेरा संबंध इनसे बहुत पुराना है, पारिवारिक है।' कुछ समय पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला भी कमलनाथ–दिग्विजय की जोड़ी को 'जय–वीरू' की जोड़ी बता चुके हैं। कमलनाथ–दिग्विजय के बीच भले ही तल्खी न हो, लेकिन विपक्ष ने जुमले को लपकने में देर नहीं की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह लगातार इस मुद्दे पर तंज कसते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा 'ये कांग्रेस का असली चेहरा है, एक पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री के लिए कह रहा है दृ जाओ उनके कपडेध फाड़ो, उनके बेटे के कपडेध फाड़ो, यही कांग्रेस का असली स्वरूप है।' बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिग्विजय के तो नहीं, अपने खुद के कपडे जरूर फाड़ डाले, दिग्विजय के पुतले जलाए। कमलनाथ के बंगले पर पंगत की। इस पर कांग्रेसी भले ही ये बोलें कि 'टिकट पाने के लिए नेताओं की ये आपाधापी उनका ये मूड और हुजूम बता रहा है कि अगली सरकार कांग्रेस की बन रही है।श लेकिन शिवराज ने कपडेध फाड़ने और पुतले जलाने पर अपने अंदाज में तंज कसा, बोले 'एक दिल के टुकडे हुए हजार कुछ इध ार गिरे कुछ उधर गिरे।' इससे पहले कमलनाथ–दिग्विजय की रोचक गुफ्तगू पर टिप्पणी करते हुए शिवराज ने कहा कि 'ऐसे काम करते ही क्यों हो कि गाली खाना पडे।' कांग्रेस के हर बयान और घटनाक्रम पर ज्योतिरादित्य सिंधिया जरूर व्यंग्य कसते हैं। सो कपड़ा फाड़ बयान पर भी वो कहां चुप रहने वाले थे, बोले 'मेरी कांग्रेसियों की सोच नहीं, जो पकड़–पकड़ कर फाडेध।

राष्ट्रीय संत अवधेश जी महाराज व राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने हरिओम ज्वेलर्स का किया उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के रूहट्टा के स्थित हरि ओम ज्वेलर्स का उद्घाटन गुरूवार को अयोध्या धाम से पधारे राष्ट्रीय संत अवधेश जी महाराज व राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संत अवधेश जी महाराज ने कहा कि इस फर्म में माता विराजमान हों इनके परिवार में विद्या, बुद्धि, बल विद्यमान रहें। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय लोग फर्म में आकर एक बार इन्हें सेवा का अवसर अवश्य दें। माता रानी व प्रभु का आशीर्वाद हमेशा बना रहे। गांव से आकर शहर में स्थापित होना बहुत ही बड़ी बात है। वहीं राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि राजाबाजार से शहर में आकर दिलीप सेठ ने अपना एक फर्म स्थापित किया, यह उनके परिवार के लिये गर्व की बात है।

हरिओम ज्वेलर्स 12 वर्षों से ग्राहकों के विश्वास पर खरा उतर रहा है। फर्म के अधिष्ठाता दिलीप सेठ ने बताया कि आज से हरिओम ज्वेलर्स अपने नवीन प्रतिष्ठान में शिफ्ट हो गया है। हम अपने प्रतिष्ठान के माध्यम से आभूषणों की शुद्धता पर ग्राहकों के विश्वास पर खरा उतरते आये हैं। हमें विश्वास है कि ग्राहकों का यह स्नेह एवं प्यार आगे भी मिलता रहेगा।

उन्होंने बताया कि हमारे यहां देश–विदेश के सर्वोत्तम कारिगरों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट डिजाइन में ब्राण्डेड सोने, चाँदी और डायमंड की फैंसी ज्वेलरी के साथ सोने चाँदी के सिक्के, कुन्दन, रत्न, उपरत्न एवं मूर्ति उपलब्ध है। शादी–विवाह के शुभ अवसर पर आर्डर देने पर 18, 20 एवं 22 कैरेट के मनपसंद आभूषण तैयार मिलते हैं। ग्राहकों की सुविधा का खास ध्यान रखते हुए प्रत्येक आभूषणों की मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। शुद्धता ही हमारी कसौटी है। इस अवसर पर विनोद मिश्र, इन्द्र जायसवाल, भाजपा नेता मनीष श्रीवास्तव, बीजेपी महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष प्रियंका श्रीवास्तव, शशिकला श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव,पंडित विधु प्रकाश शुक्ला, केसी गुप्ता, घनश्याम ओझा, मुन्नी लाल सेठ, पुष्पा देवी, सुनील उपाध्याय, संजीव सेठ, शैलेश सेठ, अरूण सिंह, जितेन्द्र सिंह, मीरा सेठ आदि उपस्थित रहे। आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार फर्म के अधिष्ठाता दिलीप सेठ ने व्यक्त किया।

नवंबर के अंतिम सप्ताह तक पार्क में स्थापित हो जाएगी महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर मूर्ति स्थल का कृपाशंकर सिंह के साथ जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थापित होने वाले महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का मुख्यमंत्री द्वारा अनावरण के संभावित कार्यक्रम के तहत बुधवार को जिलाधिकारी अनुज कुमार झा प्रशासनिक अमले के साथ कार्य स्थल पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह व राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह से मूर्ति की भव्यता और पार्क के सुंदरीकरण पर चर्चा किया।

सीटी मजिस्ट्रेट जल राजन चौधरी, नगर पालिका के अधिशासी अभियंता पवन कुमार व चेयरमैन प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्य के साथ मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य के एक– एक गतिविधि का गहनता से निरीक्षण किया। मौके पर कार्यरत मजदूरों से भी जानकारी ली।

बातचीत के दौरान कृपाशंकर सिंह ने बताया कि बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी। समिति के सदस्यों के ऐतिहासिक कार्य की सराहना किया। जिलाधिकारी ने भी आश्वासन दिया कि पार्क के सुंदरीकरण में कही से भी कोई कमी नहीं रहेगा। ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि चेतक घोड़े पर सवार महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति 13 फीट ऊंची होगी जो करीब 9 फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित की जाएगी। दीपावली बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों मूर्ति का अनावरण का समय मांगा गया है। जौनपुर शहर के पश्चिमी प्रवेश द्वार पर लगने वाली इस मूर्ति से न सिर्फ जौनपुर अपितु पूरे पूर्वांचल का गौरव बढ़ेगा।

मौके पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य रत्नाकर सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, श्यामराज सिंह, सिद्धार्थ सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

कथा इतिहास में व्यासपीठ से पहली बार लखनऊ में रामानुज सम्प्रदायाचार्य पूज्य स्वामी लक्ष्मणदास जी महाराज द्वारा श्री महालक्ष्मी यंत्र का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा: शाश्वत तिवारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। शाश्वत तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार

सदस्य, मुख्य आयोजक मंडल ने बताया कि यूपी की राजधानी लखनऊ में बनने जा रहा है एक बड़ा इतिहास। संपूर्ण भारत में होने वाली कथाओं के इतिहास में पहली बार व्यासपीठ से पूज्य स्वामी लक्ष्मणदास जी द्वारा हर घर में सुख समृद्धि एवं शान्ति के लिए एक वर्ष के लिए अभिमंत्रित किया हुआ 'सर्व मनोकामना सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्र' (गोल्ड प्लेटेड) पूर्णतया निःशुल्क दिया जायेगा।

आप सभी लखनऊ वासियों को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि शरद पूर्णिमा के परम पवित्र अवसर पर रास–बिहारी सरकार श्री राधाकृष्ण जी के पावन सान्निध्य में "काकोरी काण्ड के अमर बलिदानी क्रांतिकारियों को समर्पित " समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली' श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री महालक्ष्मी यज्ञ' का भव्य आयोजन दिनांक 28 अक्टूबर से 04 नवंबर तक कम्युनिटी सेंटर ग्राउंड, निकट श्री जगदंबेश्वर महादेव शिव मंदिर, विशाल मेगा मार्ट के सामने, सेक्टर के., आशियाना, लखनऊ में सायं 3रू30 बजे से 7रू20 बजे तक जन जन में श्री राधा– भाव भरते हुए कृष्ण–भक्ति की क्रान्ति लाने वाले, पूज्य गुरुदेव रामानुज सम्प्रदायाचार्य स्वामी लक्ष्मणदास जी महाराज जी की पावन करुणामई वाणी से होने जा रहा है।

इस कथा का सीधा प्रसारण आस्था चौनल, आस्था प्राइम 1, एवम् पूज्य स्वामी जी के ऑफिशियली यूट्यूब चौनल और फेसबुक पर लाइव किया जाएगा।

श्रीमद्भागवत जी की भव्य कलश यात्रा दिनांक 27 अक्टूबर प्रातः 9.00 बजे बैंड–बाजे के साथ कथा स्थल से शुभारंभ होगी, जो कि आशियाना के प्रमुख कई इलाकों में भ्रमण करेगी। कलश यात्रा में सम्मिलित होने से हमारे पिछले कई जन्मों के सारे पाप खत्म होते हैं एवं प्रत्येक कदम पर अश्वमेध यज्ञ का पुण्य फल मिलता है।

अतः आप सभी भक्त इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भव्य कलश यात्रा से जुड़कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

श्रीमद्भागवत कथा में कलश उठाने वाली माताओं–बहनों और यजमान परिवार को सुख, समृद्धि एवं शान्ति हेतु 12 महीने के लिए अभिमन्त्रित सर्व मनोकामना सिद्ध "श्री महालक्ष्मी यन्त्र" (गोल्ड प्लेटेड) निःशुल्क दिया जाएगा ।

आप सभी लखनऊवासी श्रीमद भागवत कथा एवं भव्य कलश यात्रा में सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

सी.एम.एस. की मेजबानी में अन्तर्राष्ट्रीय आर्केस्ट्रा का भव्य आयोजन २८ अक्टूबर को २७ देशों के ३०० कलाकारों की अनूठी संगीतमय प्रस्तुति से रूबरू होंगे लखनऊवासी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की मेजबानी में आगामी २८ अक्टूबर, शनिवार को इण्टरनेशनल आर्केस्ट्रा का भव्य आयोजन सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सायं ६.०० बजे से किया जा रहा है, जिसमें २७ देशों के ३०० से अधिक संगीतज्ञ एक साथ एक छत के नीचे वैश्विक धुनों व संस्कृतियों का अनुपम संगम प्रस्तुत करेंगे एवं विश्व स्तरीय संगीतमय प्रस्तुति से लखनऊवासियों को रोमांचित करेंगे। श्कार्मिना बुरानाश नाम से विश्वप्रसिद्ध इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्केस्ट्रा प्रस्तुति में २०० से अधिक गायक व १०० से अधिक संगीतकार जर्मन संगीतकार कार्ल ओर्फ द्वारा रचित गीतों को एकल गायन व सामूहिक प्रस्तुतिकरण के साथ दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यह जानकारी आज यहाँ आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में इण्टरनेशनल आर्केस्ट्रा श्कार्मिना बुरानाश की मेजबान सी. एम.एस. राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) की वरिष्ठ प्रधानाचार्या सुश्री निशा पाण्डेय ने पत्रकारों को दी। श्रीमती पाण्डेय ने बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय संगीत समारोह इण्डिया नेशनल यूथ आर्केस्ट्रा, फिलहार्मोनिक वियना आर्केस्ट्रा, आस्ट्रिया, एसोसिएटेड बोर्ड ऑफ रायल स्कूल ऑफ म्यूजिक (ए.बी.आर.एस.एम.), लंदन एवं सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जो कि भारत–आस्ट्रिया के ७५ वर्षीय राजनैतिक सहयोग को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में महती भूमिका निभायेगा।

प्रेस कान्फ्रेन्स को संबोधित करते हुए श्रीमती पाण्डेय ने आगे कहा कि श्कार्मिना बुरानाश का प्रस्तुतिकरण प्रख्यात संगीतज्ञ विजय उपाध्याय के नेतृत्व में किया जायेगा, जिनमें लगभग १०० वाद्ययंत्रों के साथ सामूहिक गायन प्रस्तुतियाँ होंगी। इसके अलावा, एकल गायन में सुश्री जीनस येगन, सोप्रानो लुइस कार्लोस, हर्नान्डेज ल्यूक, टेनर जुबिन अमीरी एवं चौरिटोन अपनी स्वरलहरियों की छटा बिखेरकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। श्रीमती पाण्डेय ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय संगीत महोत्सव में जिन २७ देशों के कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं, उनमें आस्ट्रिया, अर्जेन्टीना, बोस्निया एण्ड हर्जेगोविना, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, क्रोएशिया, साइप्रस, ग्रीस, चेक रिपब्लिक, जर्मनी, इजिप्ट, फिनलैंड, हंगरी, इटली, न्यूजीलैंड, पोलैण्ड, रूस, स्लोवाकिया स्लोवेनिया, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, स्पेन, स्विटजरलैण्ड, अमेरिका, वेनेजुएला एवं भारत प्रमुख हैं। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि यह अन्तर्राष्ट्रीय आर्केस्ट्रा श्जय जगतश अर्थात समस्त मानवता का कल्याण होश की भावना पर आधारित है। सी एम एस का मानना है कि संगीत लोगों के बीच की दूरियों को मिटाकर एकता से सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम है। उद्देश्यपूर्ण संगीत एवं ललित कलाओं की उपेक्षा के कारण आज समाज से संवेदनशीलता समाप्त होती जा रही है। ऐसे में यह संगीत महोत्सव लघु विश्व की अनूठी झाँकी प्रस्तुत करेगा साथ ही विश्व एकता व विश्व शान्ति का उद्घोष भी करेगा।

सी.एम.एस. के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि नवाबों के इस शहर लखनऊ को अपने संगीत की सांस्कृतिक परम्परा पर गर्व है और अब इसी कड़ी में इण्टरनेशनल आर्केस्ट्रा के माध्यम से लखनऊवासी एक लाजवाब एवं आत्ममुग्ध कर देने वाली कला से रूबरू होंगे। श्री शर्मा ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय संगीत समारोह का पहला प्रदर्शन आस्ट्रिया की वियना यूनिवर्सिटी में अभी हाल ही में सम्पन्न हुआ है। दूसरा प्रदर्शन सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आगामी २८ अक्टूबर को सम्पन्न होगा जबकि तीसरा प्रदर्शन ३० अक्टूबर को नई दिल्ली के लोटस टेम्पल के बहाई ऑडिटोरियम में किया जायेगा।

मेरी मॉटी मेरा देश, मिट्टी कार्यक्रम से लोगों में देश प्रति सर्म्पण की भावना जागी हैं:- जय प्रकाश रावत

मिशन शक्ति अभियान से महिलों एवं बालिकाओं का आत्म सम्मान बढ़ा है:-मुख्य अतिथि

मेरी मॉटी मेरा देश कार्यक्रम से गांव–गांव के लोगों में देश प्रेम की भावना को जागृत किया है:- अशोक रावत

18 की आयु पूर्ण कर रहे सभी लोग अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें:-जिलाधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज रसखान प्रेक्षागृह में मेरी माटी मेरा देश, मिट्टी को नमन, वीर वंदन अमृत कलश यात्रा, देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों को सर्मपित कार्यक्रम एवं मिशन शक्ति के तहत आयोजित भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मा0 सांसद हरदोई जय प्रकाश रावत ने विशिष्ट तिथि मा0 सांसद अशोक रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर मा0 सांसद जय प्रकाश रावत ने कहा कि देश के लोगों को एक सूत्र में बांधने के लिए मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है ताकि लोग अपने देश एवं देश की मॉटी के प्रति सर्मपित हो और देश के उत्थान के लिए आगे आये। उन्होने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान के लिए जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र–छात्राओं में उत्साह बढ़ता है और वह देश के प्रति होने वाले रंगारंग कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते है। मा0 सांसद ने कहा आज मिशन शक्ति के तहत महिलों एवं बालिकाओं का आत्म सम्मान बढ़ा है और अब वह निडर होकर किसी भी समय घर के बाहर निकल सकती है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मा0 सांसद अशोक रावत ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के मेरी मॉटी मेरा देश कार्यक्रम से गांव–गांव के लोगों में देश प्रेम की भावना को जागृत किया है तथा बलिदानियों के प्रति सम्मान बढ़ा है और मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं में जागरूकता आयी है और अब वह हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा जिलाध्यक्ष तथा मा0 विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने भी भव्य कार्यक्रम के आयोजन पर जिला प्रशासन की प्रशंसा करते हुए मेरी मॉटी मेरा देश तथा मिशन शक्ति के बारे में लोगों को बताया।

कार्यक्रम में आये अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मेरी मॉटी मेरा देश तथा मिशन शक्ति कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने में जनपद के जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं का विशेष योगदान रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों एवं छात्राओं से कहा कि 27 अक्टूबर 2023 से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है और जो लोग 01 जनवरी 2024 को 18 की आयु पूर्ण कर रहे है या जिनका मतदाता पहचान पत्र अभी तक नहीं बना है वह अपने बूथ पर जाकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने मेरी मॉटी मेरा देश कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नगरीय निकाय, विकास खण्ड, महिला पुलिस कर्मियों, शिक्षकाओं, महिला ग्राम प्रधानों तथा छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं छात्र–छात्राओं को पंच प्रण की शपथ दिलायी और राष्टगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र, भाजपा उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, पुलिस अधीक्षक केसी गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, नगर मजिस्ट्रेट प्रशांत तिवारी, जिला विकास अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, डीडी कृषि, जिला पंचायत राज अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मशहूर फिल्म अभिनेत्री कंगना रावत पहुंची रामनगरी अयोध्या

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मशहूर फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत आज रामनगरी अयोध्या पहुंची।यहां उन्होंने रामलला का दर्शन–पूजन कर मंदिर निर्माण को देखा। मंदिर के पुजारी संतोष तिवारी ने प्रसाद और रामनामा वस्त्र देकर अभिनेत्री का स्वागत किया। अभिनेत्री ने कहा कि कई सारे महान लोगों की मंदिर को देखने के लिए जान चली गईं।राम मंदिर के लिए कारसेवकों ने अपनी जान दी है। 600 साल का संघर्ष यदि साकार हो रहा है तो मोदी सरकार की वजह से..योगी आदित्यनाथ ने भी राम मंदिर के लिए बहुत ज्यादा संघर्ष किया है. .सृष्टि के नायक की जन्मभूमि जिसकी करोड़ों लोगों से आस्था जुड़ी है।हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा तीर्थ स्थान अयोध्या है। उन्होंने कहा कि भव्य मंदिर जिसकी सदियों से हिंदू कामना करते आए है उसको हम लोग देखेंगे।अयोध्या सनातन संस्कृति की पूरे विश्व में खूबसूरत पहचान बन जाएगा। वही 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कहा यह सौभाग्यपूर्ण दिन आ रहा है। कंगना ने कहा कि हमारी फिल्म तेजस्व में राम मंदिर की अहम भूमिका है।जिसके लिए हम लोग अयोध्या आए हैं। उन्होंने जय श्री राम के साथ कंगना ने मीडिया से अभिवादन किया।

लावारिस पड़े वृद्धि को समाजसेवी पहुंचाया अस्पताल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जहां लोग पूजा पाठ और खरीदारी में व्यस्त रहते हैं सिर्फ लोग अपने हितों के बारे में सोच रहे है वही एक ऐसा व्यक्ति जो हर समय लावारिस दिव्यांग असहाय लाचार भूखे वृद्ध महिलाओं एवं

पुरुषों इत्यादि की मदद करने में लगे रहते हैं। आज हम बात कर रहे हैं।जनपद के जाने माने समाजसेवी राजेश जो पेशे से शिक्षा शिक्षक हैं उनका शिक्षा देना उनका कर्तव्य है लेकिन उससे भी ऊपर उठ करके वह राह चलते लाचार असहाय, दुर्घटनाग्रस्त, वृद्धि, भूखे ,महिलाओं एवं पुरुषों मदद करना उनका शौक बन गया है। आज भ्रमण के दौरान एक ऐसा वृद्ध व्यक्ति ,जो लावारिस असहाय हालत में काली कुत्ती रोड पर ,जहां बहुत कीचड़ है और लोग वहां शौच करते हैं पड़ा था समाजसेवी ने नजर पड़ते ही वृद्धि व्यक्ति को उठाया, किनारे बैठाया और उसके कपड़े गंदगी से भीगने की वजह से खराब हो गया था, उसका कपड़ा बदला और हाथ मुंह धुलाया और चाय पिलाया, बिस्किट खिलाया तत्पश्चात एंबुलेंस बुला करके जिला अस्पताल पहुंच करके इलाज कराया। इस विशेष मानव सेवा मेंअजय श्रीवास्तव , सुधांशु और रोहन गुप्ता का विशेष. सहयोग मिला।

हजरतगंज में गोदरेज शोरूम में लगी आग,फायर बिग्रेड की 4 गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित गोदरेज शोरूम में शाम को साढ़े 7 बजे के करीब आग लग गई। धुंआ उठते देख फायर बिग्रेड को सूचना दी गई।

जिसके बाद फायर बिग्रेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। उसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। एसीपी हजरतगंज अरविंद वर्मा ने बताया कि धुआं उठने की वजह से बिल्डिंग के दूसरे ऑफिस में भी धुंआ भर गया था। फायर टीम ने आग बुझाने के बाद धुंए को बाहर निकाला। शोरूम की लाइट चली जाने की वजह से जनरेटर के जरिए फायर कर्मी एलआईसी की बिल्डिंग में पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। गोदरेज का शोरूम ग्राउंड फ्लोर पर है दूसरे तल पर एलआईसी के ऑफिस है। एलआईसी के ऑफिस में पहुंचने के लिए फायर कर्मी सीढ़ी के माध्यम से खिड़की की तरफ पहुंचे और खिड़की तोड़ करवा बिल्डिंग के अंदर दाखिल हुए।

वहीं दूसरी तरफ फायर ब्रिगेड की टीम शोरूम में भारी धुएं को निकालने के लिए जनरेटर का प्रयोग कर रही है। फायर कर्मी झब्बू की सांस फूलने लगी। जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। हजरतगंज में गोदरेज के शोरूम में मंगलवार शाम अचानक आग लग गई। लपट व धुआं निकलते देख इलाके में भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुँचे दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से आधे घण्टे में आग पर काबू पा लिया।

आग बुझाने के दौरान एक सिपाही झब्बूलाल बेसुध हो गया। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया। एसीपी हजरतगंज अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि गोदरेज इंटीरियो की फर्स्ट फ्लोर पर बने ऐसी प्लांट आग लगी थी। शोरूम को बंद किया जा रहा था। तभी शार्ट सर्किट से आग लग गईं।

यूपी में डेंगू के 16 हजार 519 केस,लखनऊ में सबसे ज्यादा मरीज

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में डेंगू इस बार बेहद खतरनाक रुख ले चुका हैं। प्रदेश में 15 मई से अब तक साढ़े 16 हजार से ज्यादा डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा केस लखनऊ में हैं। यहां के हालात इस कदर बिगड़े हैं कि निजी अस्पतालों में भी गंभीर रोगियों की लंबी कतार हैं। टॉप कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी वेंटिलेटर बेड एक महीने से लगातार फुल चल रहे हैं। इस बीच लखनऊ में लोगों की डेंगू की चपेट में आने से मौत भी हो रही हैं। हालांकि सरकारी आंकड़ों में गिनती के संक्रमितों की ही मौत होने की बात कही जा रही हैं। वही विशेषज्ञ आने वाले कुछ दिनों में हालात और बिगड़ने की आशंका जता रहे हैं। साथ ही ज्यादा अलर्ट रहने की बात कह रहे हैं। कुछ एक्सपर्ट्स पहली बार डेंगू संक्रमित होने वाले मरीजों की तुलना में दूसरी, तीसरी या चौथी बार डेंगू पॉजिटिव होने वाले मरीजों को ज्यादा सावधानी बरतने की बात कह रहे हैं। वही अस्पतालों की ओपीडी में बुखार के मरीजों की संख्या में कई गुना इजाफा के साथ अभी भी लंबी कतार देखी जा रही हैं। लखनऊ के अलावा मुरादाबाद, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद समेत प्रदेश के करीब एक दर्जन जिले डेंगू के भयंकर प्रकोप को झेल रहे हैं।

मण्डलायुक्त ने खाद्य विभाग के धान क्रय केन्द्र का किया शुभारम्भ

कहा-सभी क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था व शुद्ध पेयजल रहे उपलब्ध

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने नवीन मंडी अयोध्या में खाद्य विभाग के धान क्रय केंद्र पर ध ाान खरीद का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि सभी क्रय केन्द्रों पर किसानों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था तथा शुद्ध पेयजल उपलब्ध रहे तथा क्रय किये गये ध ाान का भुगतान किसानों के खाते में समयान्तर्गत पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाय। अयोध्या मंडी में 04 क्रय केन्द्र स्थापित हैं, जिन पर सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं परन्तु अभी केवल एक क्रय केन्द्र पर पहली बार उक्त किसान अपना धान विक्रय करने हेतु उपस्थित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अयोध्या मण्डल में धान की खरीद दिनांक 01 नवम्बर, 2023 से पूर्व में प्रस्तावित थी जिसे शासन स्तर से दिनांक 20 अक्टूबर, 2023 से कर दिया गया है, जिसके तहत मण्डल के सभी जिलों में समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा दी गयी हैं तथा खरीद भी प्रारम्भ हो गयी है। मौके पर उपस्थित किसान राम अनुज वर्मा ग्राम कुरिया कुसमहा के द्वारा बताया गया कि उनके पास लगभग 40 कुं0 धान है। किसान द्वारा यह बताया गया कि वह प्रतिवर्ष राजकीय क्रय केंद्र पर धान का विक्रय करते हैं। मौके पर उपस्थित सम्भागीय खाद्य नियंत्रक अशोक कुमार पाल द्वारा भी यह अवगत कराया गया कि मण्डल के जनपद बाराबंकी में दो दिन पूर्व ही खरीद प्रारम्भ हो चुकी है तथा मण्डल में कुल 357 धान क्रय केन्द्र स्थापित हैं जिन पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा ली गयी हैं। उनके द्वारा किसानों से अपील की गयी कि अपना धान साफ करके एवं सुखा कर क्रय केन्द्रों पर लेकर आएं ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के समय सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी, अयोध्या सम्भाग एवं जिला खाद्य विपणन अध िकारी, अयोध्या भी उपस्थित रहे।

गुप्तारघाट पर एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स की शुरुआत

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या विजयदशमी पर गुप्तार घाट में एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स की शुरुआत हुई। यह पंचवटी दीप का एक पार्ट है। जिसका निर्माण गुप्तार घाट से 2 किलोमीटर दूर पर 75 एकड़ में किया जा रहा है। विध ायक वेद प्रकाश गुप्ता, मंडलायुक्त गौरव दयाल व जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने इसका उद्घाटन किया। पंचवटी दीप का संचालन करने वाली संस्था अभियंत्रण के डायरेक्टर अजय मिश्रा ने बताया कि अयोध्या वोट क्लब के बैनर तले यह कार्य किया जा रहा है। एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स में टिहरी गढ़वाल से 10 ट्रेनर आएं हैं। इन लोगों के पास लाइसेंस है। यहां स्पीड वोट, वाटर जेट, ए टीवी वोट, पैरामीटर वोट का संचालन होगा। सुरक्षा की दृष्टि से लाइफगार्ड जैकेट का इस्तेमाल किया जाता है। वोट के चलते समय ट्रेनर चलाने वाले के पीछे रहते हैं। जो सुरक्षा भी करते हैं। दो जेट स्टीमर, तीन स्पीड बोट, एक पैरा मोटर गोवा से अयोध्या पहुंच गई है। जेट स्टीमर को रामरथ का नाम दिया गया है। इसका 300 से लेकर 500 रूपये टिकट रखा जाएगा।उन्होंने बताया कि अयोध्या आए श्रद्धालुओ को मंदिरों के अलावा पंचवटी दीप घूमने के लिए पर्यटन स्थल के रूप में होगा। श्रद्धालु यहां बन रहे राम अनुभव केंद्र में भ्रमण कर सकेंगे। राम वन गमन पथ 17 हजार किलोमीटर का है। इस पथ पर मौजूद 40 स्थानों की अनुभूति रामअनुभव केंद्र के डेढ़ किलोमीटर में कराई जाएगी। इस उद्घाटन के मौके पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ टेस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास शामिल हुए।

700 से अधिक संघ स्वयंसेवको ने सामूहिक शस्त्र पूजन व घोष का वादन किया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। सोमवार को के. टी. पुब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस परम्परा गत रूप से मनाया गया। पूर्ण गण वेश में 700 से अधिक स्वयंसेवको द्वारा सामूहिक शस्त्र पूजन व घोष का वादन किया गया। इस अवसर पर संघ के क्षेत्र सह सम्पर्क प्रमुख, पूर्वी क्षेत्र मनोज जी ने स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्वव्यापी हिन्दू संगठन की स्थापना 1925 में डॉ केशव राम बलिराम हेडगेवार जी ने किया था। सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समय समय पर लोगों ने संगठित होकर देश की रक्षा की। सनातन धर्म को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि नित नया चिर पुरातन ही सनातन है। प्राचीन काल में महर्षि पतंजलि, धन्वंतरि के अन्वेषण से लेकर आज चंद्रयान तक का सफर हमारे देश की उपलब्धियों से भरा पड़ा है। जिस पर हमें सनातन होने का गर्व है। इस सदी का सबसे गौरवशाली पल हम देखने जा रहें हैं जब अयोध्या नगरी में पांच सौ वर्षों तक अनेको रुकावटों व संघर्षों के बाद राम मंदिर बन कर तैयार हो रहा है। भगवान राम सत्ता के स्वरूप हैं, जिन्होंने आदिवासी, बनवासी लोगों को संगठित कर अत्याचारी रावण का वध किया था। समाज की अंतिम व्यक्ति माता शबरी, निषादराज केवट, गिद्धराज जटायु का उद्धार करके रामराज्य की स्थापना की थी। नौ दिनों तक हम शक्ति की उपासना करते हैं। माँ काली ने अपने ज्ञान का आवाहन करके रक्तबीज जैसे राक्षस का संहार किया। आज देश में जो भी अनाचारी, व्यभिचारी, दुराचारी और दुष्ट प्रवित्ति के हैं उनके लिए समाज को माँ काली व सरकार को मां दुर्गा की भूमिका में आना चाहिए। जिस दिन मां काली व दुर्गा की भूमिका में समाज व सरकार आ जायगी उस दिन समाज से रक्तबीज रूपी समस्या समाप्त हो जाएगी। आज तड़का, पूतना जैसी शक्तियां हिन्दू समाज पर आक्रमण कर रहीं है हमारे साथ धर्म है सत्य है जिससे हमें इनका जवाब देना है। धर्म और सत्य की ही विजय होती है। अपने अध्यक्षीय भाषण में साकेत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ एच बी सिंह ने आगंतुकों को ध न्यवाद देते हुए कहा कि आज का कार्यक्रम समाज को, संगठन को एक नई ऊर्जा देगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक प्रो विक्रमा प्रसाद, सह संघचालक डॉ अजय मोहन के अलावा विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनायक राव देश पांडेय, विहिप के केंद्रीय मंत्री गोपाल जी, विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र जी, कोटेश्वर जी तथा संघ के महानगर कार्यवाह देवेंद्र, सह महानगर कार्यवाह राहुल, महानगर प्रचारक सुबंधु जी, अवनि शुक्ला, मनोज, सुध ीर सिंह, बालेन्द्र भूषण सिंह, डॉ आलोक, अमित शंकर, के .एन. सिंह, सुधीर प्रकाश , डॉक्टर शैलेंद्र ,अरविंद ,दिव्यांश, राज प्रतापव, सैकड़ों स्वयंसेवक व अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्वश्रेष्ठ होम स्टे के चयन के लिए प्रतियोगिता का आयोजन शीघ्र : जयवीर

संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण होम स्टे को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता शीघ्र आयोजित की जायेगी। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार सर्वश्रेष्ठ होम स्टे चयन करने की तैयारी कर रहा है। होम स्टे के माध्यम से जहां एक ओर ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं पर्यटकों को देश की गौरवशाली संस्कृ ति, रहन सहन, खानपान, जीवनशैली, भेष भूषा, स्थानीय परम्पराओं आदि के बारे में करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा। ग्रामीण पर्यटन से ग्रामीण अंचल की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वैकल्पिक ढांचागत विकास के अवसर खुलेंगे। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करेगी जिसमें से सर्वश्रेष्ठ 5 होमस्टे को विभिन्न श्रेणियों के तहत भारत के सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे के रूप में मान्यता दी जाएगी। होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्टैंडर्ड और प्रामाणिक स्थानीय सुविधाओं के साथ गांव की अनोखी जीवनशैली को करीब से जानने का मौका मिलेगा। ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता मुख्यतः तीन चरणों जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाएगी। सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे के चयन के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाए होनी चाहिए जैसे मूलभूत सुविधाओं के साथ उपलब्ध कराने के लिए कम से कम से एक कमरा, ग्रीन होमस्टे में सोलर आधारित बिजली व्यवस्था, आयुर्वेदिक और वेलनेस होमस्टे में स्पा, योगा और ध यान लगाने जैसी सुविधाएं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि ग्रामीण होमस्टे के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार मिलेगा और जिसका सीधा आर्थिक लाभ स्थानीय लोगों को होगा। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग निरन्तर प्रयास कर रहा है, जिसके अंतर्गत विभाग ने प्रदेश में 229 ग्रामों का चयन किया है जिनमें ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। हमारा प्रयास है कि उत्तर प्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बने। इसलिए ग्रामीण, एग्री टूरिज्म पर तेजी से काम हो रहा है। पर्यटकों की सुविधाओं पर विशेष ध यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पर्यटन एक तेजी से उभरता हुआ सेक्टर है जिसमें रोजगार के असीमित संभावनायें हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए विगत साढ़े छः वर्षों में राज्य सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है। कोरोना कालखण्ड के बाद पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके मद्दे नजर अवस्थापना सुविधाओं को और पसंदीदा बनाया जा रहा है। राज्य सरकार के प्रयासों के चलते ही उप घरेलू पर्यटकों के मामले में पूरे देश में पहले स्थान पर है।

नेताजी के गढ़ आजमगढ़ में उतरेंगे शिवपाल!

22 की क्षति 24 में पूरी करना चाहती है सपा

संवाददाता

लखनऊ। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की बाबत उत्तर प्रदेश में हलचल शुरू हो गई है। इलेक्शन की घोषणा में अभी बहुत समय बाकी है मगर हालात और चल रही जोड़तोड़ भावी चुनावी जंग एनडीए बनाम इंडिया होने की ओर साफ इशारा कर रहे हैं।समाजवादी पार्टी की ओर से शिवपाल यादव का आजमगढ़ सीट से लोकसभा चुनाव लड़ना लगभग तय है। नेताजी और खुद अखिलेश यादव आजमगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और आज बीजेपी के निरहुआ का कब्जा है। अखिलेश यादव इस बार आजमगढ़ वापस सपा के खाते में चाहते हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा 6 को जिला मुख्यालय पर करेगा धरना प्रदर्शन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े संगठनों के नेतृत्वकारी साथियों की बैठक तारुन ब्लाक मुख्यालय पर मोर्चा के संयोजक मयाराम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में किसानों की स्थानीय समस्याओं व दिल्ली में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर हुए किसान आन्दोलन की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को निशाना बनाए जाने के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर 06 नवम्बर को जिला मुख्यालय तहसील सदर पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में छुट्टा जानवरों से हो रहे फसलों के नुकसान को लेकर चार नवम्बर को ब्लॉक मुख्यालयों का घेराव करने का कार्यक्रम स्थगित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश किसान सभा के राज्य सचिव अशोक कुमार तिवारी, सीपीएम जिला सचिव अशोक यादव, भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद, किसान सभा के प्रदेश संयुक्त मंत्री मयाराम वर्मा, किसान सभा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इश्हाक,भाकियू नेता कमला प्रसाद बागी, खेत मजदूर संगठन के के प्रांतीय महामंत्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, किसान नेता विनोद सिंह, किसान महासभा संयोजक उमाकांत विश्वकर्मा, राम तीर्थ पाठक, माता बदल, बाबूराम यादव, अवधेश वर्मा, अभिनेष वर्मा, राम कुमार पाल, विष्णुदेव वर्मा आदि उपस्थित रहे।

बीकानेर रेस्टोरेंट सील,निगम ने 8 लाख 81 रुपए के बकाए पर कार्रवाई

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में नगर निगम ने हाउस टैक्स बकाए पर अभियान तेज कर दिया है। बुधवार सुबह ही टीम रेस्टोरेंट खुलने से पहले पहुंच गई और भवन को सील कर दिया। जोनल अध िकारी जोन 7 प्रज्ञा सिंह ने बताया कि बीकानेर रेस्टोरेंट पर 8,81,458.63 बकाया था। उसकी वजह से सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। इस भवन को लेकर रेस्टोरेंट की तरफ से चार बार चेक भी दिया गया लेकिन वह सब बाउंस कर गया। उसकी वजह से कार्रवाई तेज की दी गई है। पहली बार एक , दूसरी बार एक लाख, तीसरी बार 4 लाख 31 हजार और चौथी बार 28 हजार रुपए का चेक बाउंस हुआ। इसमें अलावा एक भुगतान एक लाख रुपए का हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 28000 रुपए का चेक वर्तमान में बैंक में क्लीयरिंग के लिए लगा है। नगर निगम पूरे शहर में अभियान चला रहा है।

राष्ट्र, धर्म और आत्मरक्षा के लिये शस्त्र उठाना जरूरी : ऋषि

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश इकाई ने कुर्सी रोड स्थित प्रदेश कैम्प कार्यालय में विजयदशमी पर्व के मौके पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित प्रदेश एवं विभिन्न इकाई के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। पूजन के उपरान्त मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुये।

मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का होगा आलेख्य प्रकाशन

9 दिसम्बर तक प्राप्त की जायेगी आपत्तियां

डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर होने वाले विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आलेख्य प्रकाशन से पूर्व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में उप जिलाधिकारी प्रशासनध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसके अनुसार समस्त मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 27 अक्टूबर 2023 को किया जायेगा। दावोंध आपत्तियां 27 अक्टूबर 2023 से 9 दिसम्बर 2023 तक प्राप्त की जायेगी। आयोग द्वारा उक्त अवधि में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ पदाभिहित स्थानों पर दावों और आपत्तियां प्राप्त करने हेतु कुल 6 विशेष अभियान की तिथि यथा दिनांक 04 नवम्बर 2023, दिनांक 5 नवम्बर, दिनांक 25 नवम्बर, दिनांक 26 नवम्बर एवं दिनांक 02 दिसम्बर 2023 तथा 03 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गयी है। इन तिथियों पर समस्त बीएलओ अपने अपने बूथ पर उपस्थित रहेंगे। विशेष अभियान की तिथियों को छोड़कर शेष दिनों में बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा घर–घर जाकर सत्यापन का कार्य किया जायेगा। बी0एल0ओ0 द्वारा घर–घर सत्यापन के दौरान आश्रयहीन, घुमन्तू, बधुआ मजदूरों, विकलांग आदि व्यक्तियों का पात्रतानुसार मतदाता सूची में नाम शामिल किये जाने की कार्यवाही की जायेगी। आयोग द्वारा घोषित मुख्य कार्यक्रमध्पुनरीक्षण की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर 2023 को एकीकृत आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन होगा, दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 27 अक्टूबर से 9 दिसम्बर 2023 तक, दावे और आपत्तियां प्राप्त करने हेतु कुल 6 विशेष अभियान की तिथि यथा 04 नवम्बर 2023, 5 नवम्बर, 25 नवम्बर, 26 नवम्बर एवं 02 दिसम्बर 2023 तथा 03 दिसम्बर 2023 है, दावे और आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसम्बर 2023 तक व निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को किया जायेगा। जिलाधिकारी ने समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों के सहयोग हेतु अपनी पार्टी से सम्बंधित बूथ लेवल एजेंटों की तैनाती 27 अक्टूबर 2023 के पूर्व अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि जो व्यक्ति 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है या पूर्ण कर चुके है तथा अभी तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे अपना आवेदन फार्म–6 पर प्रस्तुत कर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा अवश्य शामिल कराएं। उन्होंने कहा कि दावा प्रस्तुत करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि प्रारूप की समस्त प्रविष्टियों को भरा जाए तथा उस पर दावेदार के हस्ताक्षरध्अंगूठा निशान लगाये जाय। प्रारूप–6 के साथ आयु एवं निवास के सम्बंध में साक्ष्य एवं अद्यतन पासपोर्ट साइज की रंगीन फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा। उन्होंने आगे बताया कि मतदाता सूची में दर्ज किसी प्रविष्टि को शुद्ध कराने के लिए मतदाता फार्म–8 पर अपना रंगीन पासपोर्ट साइज का एक फोटो लगाकर संशोधित किये जाने वाले प्रविष्टि से सम्बंधित साक्ष्य संलग्न कर बी0एल0ओ0 के पास जमा कर संशोधन कराया जा सकता है तथा मतदाता सूचीध्फोटोरोल से किसी मतदाता का नाम अपमार्जित कराने हेतु फार्म–7 पर आवेदन किया जा सकता है। कोई मतदाता उसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में अपना स्थान परिवर्तन कराने के लिए फार्म–8 पर आवेदन कर स्थान परिवर्तन करा सकता है। यदि दूसरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शिफ्ट हो गया हो तो पूर्व के पते से नाम अपमार्जित कराते हुए नवीन स्थान के लिए फार्म–6 पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासनध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर आलेख्य प्रकाशन पर मतदाताओं के विवरण की जानकारी दी कि जनपद के पांचों विधानसभाओं में कुल 1125 मतदान केन्द्र तथा 2034 मतदान स्थल है। 986038 पुरूष तथा 874162 महिला व 105 थर्ड जेण्डर कुल 1860365 मतदाता है। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सुनिश्चित करें कि 27 अक्टूबर 2023 तक अनिवार्य रूप से सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा बीएलओ तक मतदाता सूची पहुंच जाये तथा सभी उप जिलाधिकारी गण यह सत्यापन कर लें कि 27 अक्टूबर 2023 तक सभी बूथ लेवल अधिकारियों तक मतदाता सूची पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नामों का सूची से विलोपन हुआ है उसका सत्यापन भी कर लिया जाये। जिलाधि ाकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए की किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची में जोड़ने से वंचित ना रहे। बैठक में सभी उपजिला निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह, सभी उपजिलाधि ाकारी गण सहित जिला महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी, जिला सचिव समाजवादी पार्टी, जिला संयोजक बसपा आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर में स्टारर फिल्म मिशन माझी का मुहूर्त के साथ शूटिंग शुरू

पारिवारिक फिल्म देगी समाज में कई नए संदेश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिले के रीवर व्यू होटल में बुधवार को हिंदी फिल्म ष्मिशन माझीष् का शानदार मुहूर्त के साथ शुभारंभ हुआ। इस फिल्म में मुंबई के बड़े कलाकार जिसमें मिथुन चक्रवर्ती के बड़े बेटे मिमोह चक्रवर्ती के साथ मोनिका शर्मा जैसे बड़े कलाकार है। जिसमें यह फिल्म पूरी तरह से पारिवारिक होगी और समाज में कई नए संदेश देगी। जिससे पारिवारिक रिश्तों में प्रेम बढ़ेगा।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में जफराबाद के पूर्व मंत्री व विध ायक जगदीश नारायण राय ने मुहूर्त के साथ ही फिल्म का शुभारंभ हुआ उद्घाटन किया । 25 अक्टूबर से जौनपुर की अलग–अलग लोकेशन पर इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी है। पहले दिन फिल्म की शूटिंग सिपाह क्षेत्र में हुआ

फिल्म में मेन लीड में मिमोह चक्रवर्ती नजर आएंगे, साथ ही फिल्म ष्खुदा हाफिज 3ष फेम अभिनेत्री मोनिका शर्मा भी हैं। वहीं सेकेंड लीड की भूमिका में सनी यादव और नीवा मलिक हैं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री अनिता राज इस फिल्म में मुख्यमंत्री की भूमिका में दिखेंगी।

ये फिल्म वी प्रांजल फिल्म क्रिएशन के बैनर तले बन रही है। फिल्म के निर्माता विपुल सत्यजीत राय हैं जो जौनपुर के ही निवासी हैं। फिल्म के कुशल निर्देशक मनोज जे भाटिया हैं जिन्होंने राजश्री की फिल्म ष्उफ क्या जादूष् से अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म में विलेन माझी की भूमिका में जीतेंद्र यादव हैं जो इस फिल्म के लेखक भी हैं।

फिल्म के निर्माता विपुल सत्यजीत राय का कहना है कि मिशन माझी की कहानी काफी अलग है और इसका ट्रीटमेंट बहुत डिफ्रेंट रखा गया है। मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह चक्रवर्ती इस फिल्म में एक गैरेज मैन की चुनौती भरी भूमिका में हैं वहीं मोनिका शर्मा एक अंडर कवर पुलिसकर्मी का किरदार कर रही हैं। मुहूर्त के साथ फिल्म की जोर शोर से शूटिंग शुरू कर दी गई है जिसके लिए पूरी टीम उत्साहित है। फिल्म अगले वर्ष सिनेमाघरों में पेश की जाएगी। मुहूर्त उद्घाघाटन समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा के एमएलसी विद्यासागर सोनकर, पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह ,वीरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व एमएलसी ,पूर्व राज्य मंत्री जगदीश सोनकर मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन पीआर दिनेश यादव ने किया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान ने अपना 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया

संवाददाता

लखनऊ। सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने आज 25 अक्टूबर को अपना 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र के अनुसन्धान केंद्र के निदेशक डॉ. वी पी मिश्र समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।इस अवसर पर कार्यक्रम में संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2022–23 जारी की गयी। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2022–23 की अवधि के दौरान वार्षिक प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की और इस अवधि के दौरान संस्थान द्वारा हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों के बारे में सूचित किया जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं। इस वर्ष के दौरान संस्थान ने पादप विज्ञान से सम्बंधित कुल 103 परियोजनाओं पर अनुसंधान एवं विकास कार्य को आगे बढाया जिनमे 15 नई परियोजनाए शुरू की गयी। सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन फेज–ष के अंतर्गत कुल 7 राज्यों में 1400 हेक्टेयर कृषि भूमि को मिशन के अंतर्गत पुष्पकृषि हेतु अंगीकृत कर लगभग 2000 से ज्यादा किसानों को लाभान्वित किया गया। संस्थान द्वारा विभिन्न विषयों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 2000 से ज्यादा व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान द्वारा विकसित तीन प्रौद्योगिकियों– प्रमाणित संदर्भ सामग्री, सूक्ष्मजीव आधारित उर्वरक एवं क्रोमा–03 की तकनीकी को उद्योगों को हस्तांतरित किया गया। संस्थान द्वारा छः नई प्रजातियों को खोजा गया साथ ही भारत से पहली बार नए भौगोलिक रिकॉर्ड के रूप में 37 प्रजातियों को खोजा गया। कृषि मिट्टी में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा निर्धारित करने के लिए 90: से अधिक पुनर्प्राप्ति दर के साथ एक विश्वसनीय विधि विकसित की गयी जिसका लखनऊ के आसपास के क्षेत्र में एक पायलट अध्ययन के द्वारा मृदा प्रदूषण का मूल्यांकन किया जायेगा। पिंक बॉलवॉर्म और लीफ आर्मीवॉर्म से सुरक्षा के लिए ब्तल1म्ब जेनेटिकली मॉडिफाइड कपास लाइनों को ज्2 पीढ़ी में मूल्यांकन किया गया । इवेंट चयन परीक्षण के लिए पांच संभावित पंक्तियों का चयन किया गया। संस्थान ने एससीआई पत्रिकाओं में 639.85 के इम्पैक्ट फैक्टर के साथ कुल 178 शोध पत्र प्रकाशित किए।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।